HINDI

मुहावरे

	मुहावरे के अर्थ तथा वाक्य में प्रयोग -
	1. अंग-अंग मुसकाना (बहुत प्रसन्न होना) – विद्यालय में प्रथम स्थान पाने पर आयुष का अंग-अंग मुसकरा रहा है। 2. अँगूठा दिखाना (साफ़ इंकार करना) – उसने कोमल से पुस्तक माँगी, लेकिन उसने अँगूठा दिखा दिया। 3. अंधे की लाठी (एकमात्र सहारा) – श्रवण कुमार अपने माता-पिता के लिए अंधे की लाठी था। 4. अगर-मगर करना (बहाने बनाना) – जब मैंने अपने मित्र से मुसीबत के समय सहायता माँगी तो वह अगर-मगर करने लगा। 5. आँखों में धूल झोंकना (धोखा देना) – सुभाष चंद्र बोस आँखों में धूल झोंककर भारत से गायब हो गए। 6. अक्ल पर पत्थर पड़ना (कुछ समझ में न आना) – आयुष आजकल ऐसे काम करता है, जिसे देखकर लगता है कि उसकी अक्ल पर पत्थर पड़ गया है। 7. अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना (स्वयं अपना नुकसान करना) – सरकारी नौकरी छोड़कर अपनी दुकान खोलने की बात करना अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

CamScanner

8. आसमान सिर पर उठाना (बहुत शोर मचाना) – कक्षा में किसी अध्यापक के न होने के कारण छात्रों ने आसमान सिर पर उठा लिया।

9. आँखें फेर लेना (बदल जाना) – मुसीबत आने पर अपने भी आँखें फेर लेते हैं।

10. अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना (अपनी प्रशंसा स्वयं करना) – अजय तुम कोई काम तो करते हो नहीं, बस अपने मुँह मियाँ मिठू बनते रहते हो।

11. आँखें चुराना (सामने आने से बचना)– परीक्षा में कम अंक लाने के कारण पुत्र पिता से आँखें चुरा रहा है।

12. आँखें खुलना (होश आ जाना) – जब उसे अपने पुत्र की हरकतों का पता चला, तो उसकी आँखें खुल गईं।

13. आगा-पीछा करना (इधर-उधर होना) – प्राचार्य के मैदान में आते ही छात्र आगा-पीछा करने लगे।

14. आस्था हिलना (विश्वास उठना) – आजकल सच्चाई और ईमानदारी के प्रति लोगों की आस्था हिलने लगी है।

15. कान भरना (चुगली करना) – ज्ञान को कान भरने की बुरी आदत है।

16. कोई जोड़ न होना (मुकाबला न होना) – नेहा की लिखाई का कोई जोड़ नहीं है।

17. कातर ढंग से देखना (भय के भाव से नज़र बचाकर देखना) – बिना कारण पिटने पर ड्राइवर मुझे कातर भाव से देखने लगा।

CamScanner

18. कमर निकालना (कमी पूरी करना) – व्यापारियों ने त्योहारों के अवसर पर वस्तुओं को अत्यधिक दामों पर बेचकर कमर निकाल लेते हैं।

20. कान भरना (चुगली करना) – रजत हमेशा आयुष के खिलाफ अध्यापक के कान भरता रहता है।

21. कोल्हू का बैल (लगातार काम करना) – मैं यहाँ लगातार कोल्हू के बैल की तरह लगा रहता हूँ और तुम हो कि रात दिन मौज-मस्ती करते रहते हो।

22. कलई खुलना (भेद खुलना) – पड़ोसी के घर में रोज महँगे-महँगे समान आ रहे थे। अचानक एक दिन पुलिस के आने से उसकी सारी कलई खुल गई।

23. कानोकान खबर न होना (बिलकुल खबर न होना) – बदनामी के डर से मेहता जी कब दिल्ली छोड़कर चले गए, किसी को कानों कान खबर नहीं हुई।

24. खटाई में पड़ना (काम में अड़चन आना) – अच्छा खासा क्रिकेट खेल का आयोजन होने वाला था लेकिन बारिश के चलते सारा खेल का कार्यक्रम खटाई में पड़ गया।

25. खाक छानना (दर-दर भटकना) – नौकरी की तालाश में आजकल पढ़े-लिखे युवक दर-दर खाक छान रहे हैं।

26. गुड़गोबर होना (बात बिगड़ जाना) – अच्छा-खासा पिकनिक पर जाने का कार्यक्रम बना था लेकिन अचानक दंगा होने के कारण दिल्ली बंद ने सारा गुड़ गोबर कर दिया।

CamScanner

27.खाक में मिलाना (नष्ट-भ्रष्ट कर देना) – अमेरिका ने ईराक को खाक में मिला दिया।

28.घी के दिए जलाना (खुशियाँ मनाना) – बेटे के आई. ए. एस. बनने पर माँ-बाप ने घी के दिए जलाए।

29.घोड़े बेचकर सोना (गहरी नींद सोना) – बोर्ड परीक्षा सिर पर है और तुम घोड़े बेचकर सो रहे हो।

30.चिकना घड़ा (बेअसर/निर्लज्ज) – उसे कितना भी कुछ कह लो वह तो चिकना घड़ा है।

31.छक्के छुड़ाना (बुरी तरह हरा देना) – भारतीय सैनिकों ने युद्ध में पाकिस्तानी सैनिकों के छक्के छुड़ा दिए।

32.छठी का दूध याद आना (कठिनाई का अनुभव होना) – बिना परिश्रम के परीक्षा में बैठने आयुष को छठी का दूध याद आ गया।

33.छाती पर मूंग दलना (बहुत तंग करना) – मोहनलाल के मेहमान साल भर उसकी छाती पर मूंग दलते रहते हैं।

34.टका-सा जवाब देना (साफ़ मना कर देना) – मैंने जब हरि प्रसाद से मुसीबत के समय उधार पैसे मांगे तो उसने टका-सा जवाब दे दिया।

35.दाल में काला होना (कुछ गड़बड़ होना) – उसके घर पुलिस आई है, लगता है दाल में कुछ काला है।

36.नौ-दो ग्यारह होना (भाग जाना) – चोर किमती सामान उड़ाकर नौ-दो ग्यारह हो गया।

CamScanner

37.दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति करना (अधिकाधिक उन्नति) – ईश्वर करे, तुम दिन दूनी, रात चौगुनी उन्नति करो।

38.तूती बोलना (बहुत प्रभाव होना) – रमेश बाबू के समाज-सेवी होने की तूती सारे शहर में बोल रही है।

39.नाक में दम करना (बहुत परेशान करना) – आजकल उग्रवादियों ने देश में नाक में दम कर रखा है।

41.पहाड़ टूटना (भारी संकट आ जाना) – पिता की आकस्मिक मृत्यु से गोपाल पर तो मानों पहाड़ ही टूट पड़ा है।

42.पर निकलना (स्वच्छंद हो जाना) – कॉलेज में दाखिला लेते ही नेहा के पर निकलने लगे।

43.पगड़ी उछालना (अपमानित करना) – बुजुर्गों की पगड़ी उछालना अच्छी बात नहीं है।

44.पानी-पानी होना (अत्यंत लज्जित होना) – मिलावट खोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़े जाने पर रजत पानी-पानी हो गया।

45.फूला न समाना (बहुत प्रसन्न होना) – जब से नेहा का नाम मेडिकल कॉलेज की प्रवेश सू में आया है, वह फूले नहीं समा रही है।

46.हवा से बातें करना (बहुत तेज दौड़ना) – बुलेट ट्रेन हवा से बातें करती है।

CamScanner